कोविड 19 के दृष्टिगत माध्यमिक शिक्षा परिषद् उ0प्र0 द्वारा संचालित पाठ्यक्रम को लगभग 30 प्रतिशत तक कम करने के पश्चात् शेष पाठ्यक्रम का सत्र 2021–22 हेतु अध्यायवार मासिक शैक्षिक पंचांग

कक्षा–09

विषय– संगीत वादन

क्रम स0	माह	पाठ्यक्रम
01	मई	**20 मई से ऑन लाइन शिक्षण कार्य प्रारम्भ** चुने गए वाद्य का संक्षिप्त इतिहास, चयनित वाद्य के विभिन्न अंगों का सचित्र वर्णन एवं वाद्य को मिलाने की विधि का ज्ञान, वाद्य विशेष के बोलों का शास्त्रीय अध्ययन।
02	जून	भारतीय वाद्यों का वर्गीकरण, भातखण्डे स्वर एवं ताल लिपि पद्धति, अमीर खुशरो एवं पं0 विष्णु नारायण भातखण्डे की जीवनी । अपने वाद्य का एक मॉडल बनाना।
03	जुलाई	**शास्त्रीय शब्दों की परिभाषा एवं व्याख्या–**संगीत,स्वर (शुद्ध एवं विकृत), आलाप,राग,आरोह,अवरोह,मात्रा,लय,खाली , सम
04	अगस्त	**शास्त्रीय शब्दों की परिभाषा एवं व्याख्या–** वादी,संवादी,तोड़ा,तिहाई,टुकडा,कायदा,परन। राग– बिलावल राग का परिचय, आरोह, अवरोह, पकड़ सहित लिखित एवं प्रयोगात्मक कार्य। ताल– ताल दादरा, एवं रूपक तालों के साधारण ठेके तथा उनको दुगुन की लय में ताली देकर बोलने का अभ्यास। **प्रथम आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा/ प्रोजेक्ट कार्य।**
05	सितम्बर	**संगीत का इतिहास एवं रागों का अध्ययन** (1) वादन पाठ्यक्रम के रागों की विशेषताएं,(2) तालों के टुकड़े, परन आदि लिखने की योग्यता। (3) राग– राग यमन का विस्तृत अध्ययन। (4) ताल– तीनताल में दो कायदा, दो टुकड़े और दो तिहाइयाँ लिखने तथा बजाने की योग्यता।
06	अक्टूबर	पाठ्यक्रम की निर्धारित रागों में स्वर विस्तार एवं अलंकारों के माध्यम से रागों की बढ़त। राग– राग आसावरी का सम्पूर्ण परिचय एवं आरोह,अवरोह, पकड़ लिखने एवं बजाने की योग्यता/ क्षमता। ताल– एकताल में दो कायदा, दो टुकड़े और दो तिहाइयाँ लिखने तथा बजाने की योग्यता। **द्वितीय आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा/प्रोजेक्ट कार्य।**
07	नवम्बर	पाठ्यक्रम की निर्धारित रागों में गत, सरल स्वर विस्तार एवं तोंड़ों को लिखने की योग्यता का विकास करना। गतों का प्रयोगात्मक अभ्यास तोड़ों सहित। ताल– खुले बोल व बन्द बोलों की तालों का ज्ञान। तीन ताल को ठाह, दुगुन की लयकारी में हाथ में ताली, खाली के साथ बोलने का अभ्यास। **अर्द्धवार्षिक परीक्षा।**
08	दिसम्बर	राग–राग खमाज का विस्तृत अध्ययन। ताल–ताल दादरा, रूपक ताल, एकताल का पूर्ण परिचय ठाह, दुगुन के साथ हांथ में ताली, खाली के साथ क्रियात्मक अभ्यास। चयनित वाद्य के किसी प्रसिद्ध घराने का वर्णन। अपने वाद्य के प्रसिद्ध वादक कलाकारों की सूची बनाकर उनके योगदान को, तथा प्राप्त पुरस्कार का ज्ञान।

		तृतीय आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा/प्रोजेक्ट कार्य।
09	**जनवरी**	निर्धारित रागों एवं तालों की गतों, कायदा, टुकड़ा, परन, तिहाई, तोड़ों का प्रयोगात्मक अभ्यास। पुनरावृत्ति।
10	**फरवरी**	गृह वार्षिक परीक्षा का आयोजन।
11	**मार्च**	परीक्षाफल का वितरण।

नोट–कक्षा–9 में लगभग 30 प्रतिशत कम किया गया पाठ्यक्रम–

शास्त्रीय शब्दों की परिभाषा एवं व्याख्या– थाट, पकड़ गत, जमजमा, भरी, ठेका, ताल, परन।

संगीत का इतिहास एवं रागों का अध्ययनः– स्वर समूह के छोटे–छोटे टुकड़ों के आधार पर रागों को पहचानने की योग्यता अथवा ठेके के कुछ बोलों के आधार पर तालों को पहचानने की योग्यता।

3. तबला और पखावज–(अपने वाद्यों को मिलाने की विधि,)

1. झपताल में दो कायदा, दो टुकड़े और दो तिहाइयाँ लिखने तथा बजाने की योग्यता।
2. सूलफ़ाक ताल का साधारण ठेका तथा उसको दुगुन में ताली देकर बोलने का अभ्यास।

अन्य वाद्य लेने वाले–

1. भूपाली राग में आरोह–अवरोह एवं पकड लिखने की योग्यता/क्षमता।
2. झपताल से परिचित होना।